UPST010043902026

न्यायालय – सत्र न्यायाधीश, सुलतानपुर

उपस्थितः सुनील कुमार–IV, (उच्चतर न्यायिक सेवा)

न्यायिक अधिकारी कोड सं0 – यू0पी0 1885

प्रकीर्ण फौजदारी वाद सं0 168/2026

अरविन्द कुमार सिंह ———————— बनाम ———————— उ0प्र0 राज्य आदि

दिनांकः 29.05.2026 **(निस्तारण प्रार्थना पत्र कागज सं0 3ख1)**

पत्रावली अदेशार्थ पेश हुयी।

प्रार्थी अरविन्द कुमार सिंह की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र कागज सं0 **3ख1** पर प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता तथा विद्वान जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) को पूर्व में सुना जा चुका है। पत्रावली का सम्यक अवलोकन किया।

प्रार्थी की ओर से प्रार्थना पत्र 3ख1 मय शपथ पत्र 4ख2 इस आशय का प्रस्तुत किया गया है कि सत्र परीक्षण सं0 312/2016 उ0प्र0 राज्य बनाम नील कमल सिंह आदि मुकदमा अपराध सं0 147ए/2013 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 04, सुलतानपुर में विचाराधीन है तथा इस मुकदमे का क्रास केस सत्र परीक्षण सं0 373/2013 उ0प्र0 राज्य बनाम वीरेन्द्र प्रताप सिंह आदि मुकदमा अपराध सं0 147/2013 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 01, सुलतानपुर में विचाराधीन है। उक्त दोनो मुकदमें क्रास केस हैं, जिनका विचारण पूर्व में एक साथ हो रहा था। ऐसे में दोनो मुकदमों का विचारण एक ही न्यायालय द्वारा किया जाना न्यायहित में आवश्यक एवं न्यायसंगत है। उपरोक्त परिस्थितियों में उक्त वर्णित वादों को विचारण हेतु किसी एक न्यायालय में अन्तरित किये जाने की याचना की गयी।

उपर्युक्त दोनों विचारण न्यायालयों (न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 04, सुलतानपुर तथा न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 01, सुलतानपुर) से प्राप्त आख्या के अनुसार अंतरण प्रार्थना पत्र में वर्णित पत्रावलियां सम्बन्धित विचारण न्यायालयों में लम्बित हैं।

पत्रावली तथा सम्बन्धित विचारण न्यायालयों से प्राप्त आख्या के अवलोकन से स्पष्ट है कि सत्र परीक्षण सं0 312/2016 उ0प्र0 राज्य बनाम नील कमल सिंह आदि न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 04, सुलतानपुर में तथा सत्र परीक्षण सं0 373/2013 उ0प्र0 राज्य बनाम वीरेन्द्र प्रताप सिंह आदि न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 01, सुलतानपुर में विचाराधीन हैं। प्रार्थी के कथनानुसार उक्त दोनो वाद एक दूसरे के क्रास केस हैं और वर्तमान समय में अलग–अलग न्यायालयों में विचाराधीन है। ऐसी स्थिति में उक्त दोनो वादों को विचारण/निस्तारण हेतु सक्षम कार्यरत न्यायालय

में अन्तरित किया जाना न्यायोचित एवं समीचीन है।

उपर्युक्त समस्त तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 04, सुलतानपुर में विचाराधीन सत्र परीक्षण सं0 312/2016 उ0प्र0 राज्य बनाम नील कमल सिंह आदि की पत्रावली को क्रास केस की पत्रावली सत्र परीक्षण सं0 373/2013 उ0प्र0 राज्य बनाम वीरेन्द्र प्रताप सिंह आदि के साथ विधि अनुसार विचारण/निस्तारण हेतु न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 01, सुलतानपुर में स्थानांतरित किया जाना न्यायोचित एवं विधि सम्मत् प्रतीत होता है।

आदेश

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत स्थानांतरण प्रार्थना पत्र कागज सं0 3ख1 स्वीकार किया जाता है। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 04, सुलतानपुर में विचाराधीन सत्र परीक्षण सं0 312/2016 उ0प्र0 राज्य बनाम नील कमल सिंह आदि की पत्रावली विधि अनुसार विचारण/निस्तारण हेतु न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0 01, सुलतानपुर में स्थानांतरित की जाती है।

आदेश की प्रति सम्बन्धित न्यायालयों में अनुपालनार्थ प्राप्त करायी जाए। प्रस्तुत प्रकीर्ण दाण्डिक वाद की पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर की जाए।

(सुनील कुमार–IV)
जनपद न्यायाधीश
सुलतानपुर
(JO Code UP 1885)

दिनांकः 29.05.2026
प्रखर कुमार श्रीवास्तव/–

Digitally signed by SUNIL KUMAR
Date: 2026.06.17 17:38:44 IST
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court